हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, शुक्रवार 9 जनवरी 2026

तापमान
अधिकतम 13 .0 डिग्री
न्यूनतम 5.0 डिग्री

12 कुंड चौकी में आराम फरमाती रही पुलिस एक दर्जन से अधिक दुकानों पर हाथ साफ

12 नगर परिषद हाउस की आखरी बैठक में 21 से अधिक प्रस्तावों पर मोहर, तीन जगह के प्रवेश द्वार पास

खबर संक्षेप

सड़क हादसे का आरोपी चालक गिरफ्तार

बावल। पुलिस ने सड़क हादसे के बाद फरार एक वाहन चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सड़क हादसे के बाद गत वर्ष 3 दिसंबर को केस दर्ज किया था। इस हादसे में एक व्यक्ति की की मौत हो गई थी। पुलिस ने परिजन के बयान पर वाहन चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का केस दर्ज किया था। चालक मौके से फरार हो गया था। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में राजस्थान के कोटकासिम निवासी रतीफ को गिरफ्तार कर लिया। बाद में उसे पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

मारपीट मामलों में दो आरोपी गिरफ्तार

कोसली। कोसली थाना पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामलों में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अस्पताल में घायल पीड़ित के बयान पर 26 दिसंबर को कई आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था। बयान में मारपीट करने और धमकी देने के आरोप लगाए गए थे। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने माता मोहल्ला निवासी हर्ष यादव और कमल को गिरफ्तार किया है। बाद में दोनों आरोपियों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

दहेज उत्पीड़न के मामले में एक काबू

धारूहेड़ा। पुलिस ने दहेज उत्पीड़न व जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। विवाहिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच काउंसलिंग के जरिए समझौता कराने के प्रयास किए थे। कई बार पुलिस थाने में दोनों पक्षों के बीच बातचीत हुई, लेकिन उनमें सुलहनामा नहीं हुआ। इसके बाद पुलिस ने गत 2 जनवरी को ससुराल पक्ष के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने राजस्थान के नंगलिया में रह रहे दिल्ली के महीपालपुर निवासी चेतन को गिरफ्तार किया है।

गोकशी एक्ट में प्रोडक्शन वारंट पर

जाटूसाना। रोहड़ाई थाना पुलिस ने गोकशी मामले में एक आरोपी को कोर्ट से प्रोडक्शन वारंट पर लिया है। पुलिस ने गत वर्ष 9 सितंबर को गोकशी एक्ट के तहत केस दर्ज किया था। आरोपी पिकअप गाड़ी से गायों को गिराकर फरार हो गए थे। पुलिस ने गोकशी एक्ट के तहत केस दर्ज करने के बाद एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। जांच के बाद पुलिस ने नूंह के पल्ला निवासी राहुल को इस मामले में प्रोडक्शन वारंट पर लिया है। वह अन्य मामले में जेल में बंद चला आ रहा है।

एनडीपीएस एक्ट का आरोपी भेजा जेल

जाटूसाना। रोहड़ाई थाना खोल पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गत 4 दिसंबर को एक आरोपी को नशीले पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया था। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया था। पूछताछ के दौरान उसने बताया था कि उसे नशीला पदार्थ झज्जर के न्योला निवासी सूरजपाल ने मुहैया कराया था। पुलिस ने आरोपी सूरजपाल को गिरफ्तार कर लिया। अदालत में पेश करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

शांति भंग करने के आरोप में दो काबू

रेवाड़ी। परशुराम कॉलोनी में रात के समय हुड़दंगबाजी करते हुए लोगों की शांति भंग करने के दो आरोपियों को सिटी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुसिल के अनुसार मूल रूप से बिहार के रहने वाले अनुश चौधरी और पन्नालाल दोनों परशुराम कॉलोनी में किराए के मकान में रह रहे हैं। वह हुड़दंगबाजी करते हुए शांति भंग कर रहे थे। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर जाकर दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

खुली और नियमित जांच के लिए आयुक्त कार्यालय से अनुमति नहीं

सरकार को आरटीए कार्यालय के कर्मचारी ने लगवाया लाखों का चूना

गलत तरीके से बढ़ाया वाहनों का भार, एसीबी की टीम ने पकड़ा मामला, ओपन जांच की परमिशन अटकी

वर्ष 2022-23 में भार क्षमता बढ़ाने में किए गए गोलमाल को एसीबी की टीम ने पकड़ लिया था। आरंभिक जांच में 58 ऐसे वाहन सामने आए थे, जिनका वजन नियमों को ताक पर रखकर वाहन मालिकों को फायदा पहुंचाने के लिए किया गया था।

नरेन्द्र वत्स ▶▶| रेवाड़ी

केंद्रीय परिवहन मंत्रालय की ओर से वर्ष 2018 में भारी वाहनों को ओवरलोडिंग में राहत देते हुए वाहन क्षमता में वृद्धि करने का निर्णय लिया गया था। एक्सल और टायर के हिसाब से भारी वाहनों के वजन को 5 प्रतिशत तक बढ़ाया गया था। संशोधित वजन की अधिसूचना जारी होने के बाद वाहन निर्माता कंपनियों ने खुद ही वाहनों को बढ़ी हुई क्षमता के साथ मार्केट में उतार दिया था, परंतु नए नियम की आड़ में आरटीए कार्यालय में बड़ा खेल कर दिया गया। जिन वाहनों का वजन पहले ही बढ़ा हुआ पास हो चुका था, उनका वजन दोबारा बढ़ाकर सरकार को करोड़ों रुपये का चूना लगा दिया गया। एंटी क्रप्शन ब्यूरो ने आरंभिक जांच में 58 वाहनों का भार गलत तरीके से बढ़ाने का मामला उजागर करते हुए सरकार से ओपन व रेगुलर इंक्वारी की अनुमति मांगी थी, जिसकी फाइल अभी तक स्टेट ट्रांसपोर्ट कार्यालय में अटकी पड़ी है।

सरकार को तीहरी राजस्व मार का सामना करना पड़ा

वाहनों के संसोधित भार की अधिसूचना जारी होने के बाद ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट की ओर से क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण के अधिकारियों को आदेश जारी किए थे कि नोटिफिकेशन से पहले चल रहे वाहनों का वजन अतिरिक्त शुल्कों की वसूली के साथ बढ़ाया जा सकता है। भारी वाहन मालिकों ने अपने पुराने वाहनों की वजन क्षमता बढ़वाना भी शुरू कर दिया था। वाहन निर्माता कंपनियों ने अपने वाहन संसोधित भार क्षमता के अनुसार ही मार्केट में उतार दिए थे। जिन वाहनों की क्षमता पहले से ही बढ़ी हुई थी, आरटीए कार्यालय में उन वाहनों की दोबारा से क्षमता बढ़ाने का खेल खेला गया, सरकार को तीहरी राजस्व मार का सामना करना पड़ा। वर्ष 2022-23 में भार क्षमता बढ़ाने में किए गए गोलमाल को एसीबी की टीम ने पकड़ लिया था। आरंभिक जांच में 58 ऐसे वाहन सामने आए थे, जिनका वजन नियमों को ताक पर रखकर वाहन मालिकों को फायदा पहुंचाने के लिए किया गया था। एसीबी ने तत्कालीन आरटीए सचिव व क्षमता बढ़ाने वाले कर्मचारी के खिलाफ ओपन एंड रेगुलरी इंक्वायरी की अनुमति मांगी थी, जो आज तक नहीं मिल पाई है।

जिला आरटीए कार्यालय परिसर

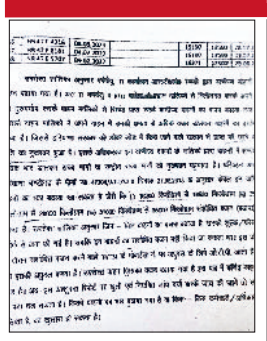

रेवाड़ी। सरकार को लिखे गए पत्र का एक हिस्सा।

सरकार को राजस्व की भारी मार

जिन वाहनों का वजन संसोधित बिल के पास पहले से ही बढ़ाया जा चुका था, आटीए ऑफिस के कर्मचारी ने उन्हीं वाहनों का फिर से वजन बढ़वा दिया। इससे एक ओर वाहन मालिकों को क्षमता से अधिक भार ढोने की अनुमति मिल गई, तो दूसरी ओर प्रदेश सरकार को ओवरलोडिंग के चालान से मिलने वाले राजस्व का भारी नुकसान हुआ है। साथ ही भारी वाहन क्षमता से अधिक वजन ढोते हुए सड़कों को भी नुकसान पहुंचाते रहे हैं। वाहन मालिकों ने भार बढ़वाकर जमकर मुनाफा कमाया है।

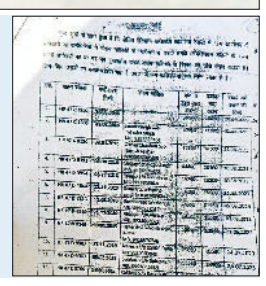

कर्मचारी के पास ही आता है ओटीपी

वाहनों की क्षमता बढ़ाने के लिए संबंधित फीस जमा कराते समय आरटीए कार्यालयों के टीआई या टीएसआई के मोबाइल नंबर पर ही ओटीपी आता है। इन कर्मचारियों के अलावा कोई अन्य फीस जमा नहीं करा सकता, इसलिए कार्यालय की एक कर्मचारी की भूमिका इसमें रही थी। इसका जिक्र एसीबी के पत्र में किया गया है। सूत्रों के अनुसार गृह विभाग की ओर से तत्कालीन सचिव के खिलाफ इंक्वायरी की अनुमति दे दी है, परंतु मुख्य भूमिका वाले कर्मचारी की अनुमति ट्रांसपोर्ट कमिश्नर कार्यालय में अटकी हुई है।

ओपन इंक्वायरी से होगा बड़ा ब्लास्ट

एसीबी की ओर से सरकार को प्रेषित पत्र में स्पष्ट किया था कि रेवाड़ी आरटीए कार्यालय में अधिकारियों या कर्मचारियों ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए गलत तरीके से वाहनों का वजन बढ़ाकर सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाने का कार्य किया है। आरंभिक जांच में ऐसे 58 वाहन सामने आए हैं। इस मामले में ओपन व रेगुलर इंक्वायरी से बड़ा गोलमाल सामने आ सकता है। ट्रांसपोर्ट ऑफिस की ओर से इंक्वायरी को अभी तक मंजूरी नहीं दी गई है। इस मामले में बार-बार प्रयास के बाद भी ट्रांसपोर्ट कमिश्नर अतुल द्विवेदी से बात नहीं हो सकी।

सिंगल यूज प्लास्टिक का भंडारण करने वाले सात दुकानदारों के काटे चालान

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड व नगर परिषद की टीम ने संयुक्त रूप से की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड व नगर परिषद की टीम ने वीरवार को शहर के मुख्य बाजार में सिंगल यूज प्लास्टिक भंडारण करने वाले दुकानदारों के चालान काटे। क्षेत्रीय अधिकारी निपुण गुप्ता की देखरेख में हरियाणा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम ने 7 दुकानदारों के 15000 रुपये के चालान किए। वहीं, उन्हें सिंगल यूज प्लास्टिक न बेचने की सख्त हिदायत दी। क्षेत्रीय अधिकारी निपुण गुप्ता ने बताया कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड व नगर परिषद कर्मचारियों की संयुक्त टीम ने शहर के मुख्य बाजार में दुकानों पर छापेमारी की। टीम ने 7 दुकानदारों के सिंगल यूज प्लास्टिक के रूप में पॉलीथिन आदि भंडारण

रेवाड़ी। दुकानदारों के चालान काटते हुए एचएसपीसीबी व नगर परिषद की टीम। फोटो : हरिभूमि

करने पर चालान किए व प्लास्टिक सामग्री भी जब्त की। उन्होंने बताया कि एचएसपीसीबी व नगर परिषद की टीम ने वर्ष 2025 में कुल 273500 रुपये के 254 चालान किए थे।

मानव व पर्यावरण के लिए हानिकारक

क्षेत्रीय अधिकारी ने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग से न केवल पर्यावरण को नुकसान हो रहा है,अपितु कई प्रकार की बीमारियां पनप रही हैं। इसके चलते सरकार ने सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूर्ण रूप से बैन लगाया है। प्लास्टिक का प्रयोग मानव व पर्यावरण के लिए काफी हानिकारक है इसलिए प्लास्टिक की जगह कपड़े, कागज और जुट से बने थैलों का इस्तेमाल करें। जब भी बाजार में कोई वस्तु खरीदने जाए तो अपने साथ कपड़े का थैला लेकर जाएं, जिससे की आपको प्लास्टिक की थैलियों में सामान न लाना पड़े। दुकानदार से सामान खरीदते समय उससे कपड़े या कागज से बने थैलों में ही समान लें। खाने की वस्तुओं के लिए स्टील या फिर मिट्टी के बर्तनों को प्राथमिकता दें।

वाल्मीकि आश्रम में डीएससी समाज की बैठक 10 को

रेवाड़ी। डीएससी समाज की बैठक 10 जनवरी को सुबह 10 बजे कालाका रोड स्थित वाल्मीकि आश्रम में आयोजित होगी। डीएससी प्रधान विजय इंदौरा ने बताया कि सीएम नायब सिंह सैनी की ओर से एससी आरक्षण में वर्गीकरण करके डीएससी वर्ग को नौकरियों में अलग से 10 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की है, लेकिन ओएससी समाज के लोग गलत तरीके से डीएससी वर्ग में घुसने की कोशिश कर रहे हैं। एचकेआरएन पर की जा रही भर्तियों में किसी प्रकार के आरक्षण का प्रावधान नहीं है। सरकार की ओर से वर्तमान में की जा रही असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्तियों में डीएससी वर्ग के लिए लागू किया गया 35 प्रतिशत का नियम न्यायसंगत नहीं है।

उष्मापुर में चली पंचायत विभाग की जेसीबी

पंचायती जमीन से हटवाया कब्जा

- अधिकारियों ने इन लोगों को खुद निर्माण तोड़ने के लिए समय दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नाहड़

उष्मापुर गांव की पंचायती जमीन से वीरवार को प्रशासन की टीम ने अवैध कब्जा हटवा दिया। पुलिस बल की मौजूदगी के चलते इस कार्रवाई का कोई विरोध नहीं हुआ। जेसीबी पहुंचने के बाद कुछ कब्जाधारकों ने खुद ही कब्जा हटाने के लिए समय मांगा, जिसके बाद पंचायत ने उन्हें समय दे दिया। गांव के कुछ लोगों ने पंचायती रास्ते पर निर्माण किए हुए हैं। दो पक्षों के बीच विवाद के चलते एक पक्ष की ओर से 7वीसीएल एक्ट के तहत डीसी कोर्ट में केस दायर किया था। इसके बाद जमीन की पैमाइश कराने पर रास्ते की जमीन पर कब्जा करार दिया गया था। डीसी के आदेश पर एसडीएम को कार्रवाई करने के आदेश दिए गए थे। एसडीएम ने संबंधित बीडीपीओ को जमीन से कब्जा हटवाने के आदेश दिए थे। वीरवार को पंचायत विभाग के एसडीओ के नेतृत्व में प्रशासन की टीम भारी पुलिस बल के साथ गांव पहुंची। जेसीबी ने रास्ते पर किए अतिक्रमण को हटाना शुरू किया। पुलिस बल की मौजूदगी में इस कार्रवाई का विरोध नहीं हुआ। बाद में जिन लोगों के मकान रास्ते में बने हुए हैं, अधिकारियों से आग्रह किया कि कब्जा हटाने के लिए उन्हें दो-तीन दिन का समय दिया जाए। इस दौरान उन्होंने खुद ही निर्माण तोड़ने शुरू कर दिए। अधिकारियों ने भी इन लोगों को खुद निर्माण तोड़ने के लिए समय दे दिया।

रेवाड़ी। उष्मापुर में अवैध कब्जे हटाते हुए टीम। फोटो : हरिभूमि

नोटिस देने के बाद की गई कार्रवाई

गांव की सरपंच स्नेहलता ने बताया कि आपसी विवाद के चलते अवैध कब्जों की शिकायत प्रशासन से की गई थी। इसके बाद जमीन की पैमाइश हुई तो पंचायती रास्ते पर मकानों का कुछ हिस्सा बना हुआ पाया गया। इन लोगों को कब्जा हटाने के लिए नोटिस दिए गए थे, जिसके बाद यह कार्रवाई शुरू की गई। बाद में कब्जा धारकों को खुद निर्माण तोड़ने के लिए समय दे दिया गया।

बाइक चोरी के मामले में फरार आरोपी चढ़ा हत्थे

रेवाड़ी। थाना रामपुरा पुलिस ने बाइक चोरी के मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चोरी की बाइक पहले ही बरामद कर ली थी। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। भाड़ावास निवासी कार्तिक ने पुलिस को दर्ज शिकायत में बताया था कि गत वर्ष 20 सितम्बर की रात उसने अपनी बाइक को घर के बाहर खड़ी की थी। सुबह जब वह उठकर घर से बाहर निकला तो उसे बाइक नहीं मिली। काफी तलाश करने के बाद भी बाइक का कोई पता नहीं चला। पुलिस ने उसकी शिकायत पर चोरी का केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। चोरी की बाइक बाद में बरामद हो गई थी। इस मामले में पुलिस ने भाड़ावास निवासी नरेश को गिरफ्तार किया है। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

सड़क हादसों में वकील की मौत बाइक सवार दो युवक घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

बुधवार देर सायं अलग-अलग हादसों में बाइक सवार एक वकील की मौत हो गई, जबकि एक बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में एक ट्रक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। ट्रक का चालक भी घायल हो गया। वकील की मौके बाद बार एसोसिएशन ने वर्क सस्पेंड रखा। पिथड़ावास निवासी 52 वर्षीय समय प्रकाश जिला कोर्ट में वकील थे। बुधवार शाम वह बाइक लेकर अपने गांव की ओर जा रहे थे। हरिनगर के पास एक ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया, डॉक्टरों ने वकील को मृत घोषित कर दिया।

पहले भी हादसे में जा चुकी जान

कालूवास गांव के पास बाईपास के चौराहे पर दिसंबर माह में भी हादसे में गांव के एक व्यक्ति की जान चली गई थी। ब्रेकर व सर्कल बनवाने की मांग पर ग्रामीणों ने रोड जाम कर दिया था। इसके बाद लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने ब्रेकर तो बनवा दिए, परंतु सर्कल नहीं बनाया गया। इसके लिए मुख्यालय से अनुमति लेने की बात कही गई थी। इस चौराहे पर लगभग एक माह के दौरान दूसरा हादसा हुआ है। दूसरी ओर अधिवक्ता समय प्रकाश के निधन पर वकीलों ने वर्क सस्पेंड रखा। उनके अंतिम संस्कार में भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में वकील पिथड़ावास गांव पहुंचे।

पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा

रामपुरा पुलिस ने वीरवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी। झज्जर बाइपास रोड पर कालूवास गांव के चौराहे पर बनाए गए स्पीड ब्रेकर पर ट्रक चालक ने अचानक ब्रेक लगाए, तो पीछे से आ रहा ट्रक उसके ट्रक से टकरा गया। दोनों ट्रकों के बीच बाइक सवार झज्जर के माछरौली निवासी नवीन और मुन्ना फंस गए। टक्कर मारने वाला ट्रक भी क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां से मुन्ना को गंभीरावस्था में पीजीआई रोहतक के लिए रेफर कर दिया गया।

अवैध शराब व बाइक समेत आरोपी गिरफ्तार

डहीना। पुलिस चौकी ने बाइक पर अवैध शराब ले जा रहे एक व्यक्ति को शराब व बाइक समेत गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ एक्साइज एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि गोठड़ा निवासी अशोक उर्फ बिल्लु अवैध रूप से शराब बेचने का धंधा करता है। वह बाइक से गांव करीरा की तरफ से शराब लेकर कच्चे रास्ते से डहीना गांव की ओर आ रहा है। सूचनामि लने के बाद पुलिस ने कच्चे रास्ते पर नाकेबंदी कर दी। वहां से बाइक से निकल रहे व्यक्ति से पूछताछ की तो उसने अपना नाम गोठड़ा निवासी अशोक बताया। उसकी बाइक पर शराब की बोतलें व पव्वे रखे हुए थे। गिनती करने पर 12 बोतल और 50 पव्वा शराब मिली। पुलिस ने शराब व बाइक समेत अशोक को गिरफ्तार कर लिया।

कोहरे ने रोकी यातायात की रफ्तार, जल्द राहत मिलने के नहीं आसार

दोपहर तक कड़ाके की ठंड ने कंपकंपाया, धूप निकलने से राहत

उत्तरी दिशा से बर्फीली हवाएं चल रही हैं, जिससे जल्द पाला भी जमना शुरू हो सकता है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जनवरी माह के दूसरे सप्ताह में हाड़ कंपाने वाली ठंड का असर बढ़ने लगा है। दो दिन से दोपहर बाद सूर्यदेव के दर्शन राहत दिलाने का काम कर रहे हैं। उत्तरी दिशा से बर्फीली हवाएं चल रही हैं, जिससे जल्द पाला भी जमना शुरू हो सकता है। अभी दो दिन तक आसमान में आंशिक बादल छाने की संभावना जताई जा रही है, कोहरा और गहरा सकता है। वीरवार को सुबह के समय आसमान में आंशिक बादल छाए रहे। सुबह 10 बजे तक घने कोहरे ने सड़क और रेल यातायात को जमकर प्रभावित किया। सड़कों पर वाहन चालक लाइटें जलाकर एक-दूसरे के पीछे चलते हुए नजर आए। कोहरे के कारण बुधवार देर सायं दो सड़क भी हादसे भी हुए। नेशनल हाइवे पर भी वाहनों की रफ्तार मंद पड़ी रही। लगभग आधा दर्जन लंबी दूरी की ट्रेनों का संचालन कोहरे के कारण प्रभावित हुआ। अधिकतम तापमान 2.5 डिग्री की गिरावट के साथ एक बार फिर 13.0 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। न्यूनतम तापमान 2.0 डिग्री की कमी के साथ 5.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 90 प्रतिशत तक रहा, जबकि रफ्तार कम होकर 6 किमी प्रति घंटा पर आ गई। सुबह के समय लोगों को भारी ठंड का सामना करना पड़ा। दोपहर लगभग 1 बजे के बाद सूरज की चमक ने बादलों और कोहरे को हटाकर लोगों को ठंड के आगोश से बाहर निकाला।

रेवाड़ी। एक खेत में तैयार हो रही सरसों की फसल। फोटो : हरिभूमि

सूखी ठंड से किसानों की चिंता बढ़ी

बारिश नहीं होने से इस बार रबी फसल उत्पादक किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सरसों और गेहूं की सिंचाई नलकूपों से की जा रही है। शेड्यूल के मुताबिक बिजली मिलने से बड़े किसानों के लिए दोनों फसलों की एक साथ सिंचाई करना मुश्किल बना हुआ है। अब सूखी ठंड से पाला जमने की आशंका किसानों को चिंतित कर रही है। पाला जमने से सरसों की अगेती फसल को नुकसान की आशंका बनी हुई है। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि किसानों को इस समय हल्की सिंचाई निरंतर करनी चाहिए। इससे जमीन का तापमान बढ़कर पाले से बचाव करेगा।

आसमान में आंशिक बादल छा सकते हैं

सुबह के समय जहां बाजार से लेकर सड़कें तक सुनसान नजर आई, तो धूप निकलने के बाद चहल-पहल बढ़ गई। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को भी आसमान में आंशिक बादल छा सकते हैं। बर्फीली हवाओं के चलते पाला भी जम सकता है। अभी कड़ाके की ठंड से कुछ दिन राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। धारूहेड़ा का एक्यूआई भी कम होकर 170 पर आ गया, जिससे प्रदूषण का स्तर कुछ हद तक कम हो गया।

गुड़-तिल-मूंगफली टेस्टी भी-हेल्दी भी

बच्चो, जाड़े के मौसम में बहुत सी हेल्दी चीजें खाने को मिल जाती हैं। जनवरी माह में मकर संक्रांति पर्व भी आता है, इस अवसर पर तिल-मूंगफली से बने व्यंजनों के खाने का एक अलग ही मजा है, जो हमारी हेल्थ के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। सर्दियों में और कौन-कौन सी हेल्दी-टेस्टी चीजें खाई जा सकती हैं, जो हमें फिजिकली-मेंटली फिट रखती हैं, जानो।

सीजनल डाइट

डॉ. मोनिका शर्मा

बच्चो, हेल्दी डाइट से ही हमारा शरीर और मन दोनों स्वस्थ रहता है। स्वस्थ आहार में बहुत-सी चीजें शामिल होती हैं, जैसे- सब्जियां, अनाज, फल, ड्राई फ्रूट्स और दूध-दही। बहुत से फूड आइटम्स भी हमारी हेल्दी डाइट का हिस्सा होते हैं। हमारे देश में तो मौसम के हिसाब से भी खान-पान तय किया गया है। तुमने देखा होगा कि घर में मौसम के बदलते ही खाने-पीने की चीजें भी बदल जाती हैं। इन दिनों जाड़े में मूंगफली, तिल और गुड़ की बनी चीजें खूब दिख रही हैं। ये ट्रेडिशनल फूड आइटम्स सर्दियों के लिए एनर्जी बूस्टर हैं। इनसे मिलने वाले पोषक तत्व, साल भर हमारे शरीर को स्वस्थ रखते हैं।

स्वास्थ्य के रक्षक

सर्दी के मौसम में खाए जाने वाले तिल-मूंगफली के पकवान बहुत न्यूट्रीशस होते हैं। ये हर एज ग्रुप के लोगों को पसंद आते हैं। इनकी तासीर यानी हमारे शरीर पर पड़ने वाला असर, गर्म होती है। जिसके चलते इनसे बनी सभी चीजें शरीर को ठंड से बचाती हैं। तिल की बने लड्डू हों या मूंगफली की चिक्की, सर्दियों में सबके साथ धूप में बैठकर या अलाव तापते हुए इन्हें खाने का मजा ही कुछ और है! ठंड से बचाव करने और सेहत बनाने वाले ये क्रंची स्नैक्स, अपनों के साथ समय बिताने का भी अवसर देते हैं। तिल और मूंगफली में न केवल प्रोटीन बल्कि कई विटामिन और ओमेगा 6 जैसे न्यूट्रिएंट्स भी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इन दोनों में ही कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व भी होते हैं। इसीलिए तिल के लड्डू खाने से हड्डियां मजबूत होती हैं। ये हमारी डाइजेस्टिव हेल्थ को बेहतर रखते हैं। वहीं पीनट्स यानी मूंगफली भी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। पीनट्स खाने से ब्रेन फंक्शनिंग भी सुधरती है। बच्चो, नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश एक स्टडी में सामने आया है कि तिल और मूंगफली में हेल्दी फैट होता है। इसीलिए ठंड के मौसम में इन चीजों को जरूर खाना चाहिए। ये ठिठुराती सर्दी में खेलने-कूदने और एक्टिव रहने का एनर्जी बूस्टर डोज हैं।

मिठास का सेहतमंद साथ

बच्चो, तिल, मूंगफली को जब गुड़ का साथ मिलता है, तो ये स्वादिष्ट ही नहीं और अधिक गुणकारी भी बन जाते हैं। तिल, गुड़ और मूंगफली, ये तीनों चीजें ठंड के मौसम के लिए सुपरफूड हैं। इनसे बनी चीजें खाने में बहुत टेस्टी लगती हैं। इन्हें स्कूल के टिफिन में ले जाना भी बहुत आसान है। तिल और मूंगफली तो पौष्टिक हैं ही, गुड़ में भी आयरन, मैग्नीशियम और कैल्शियम जैसे कई मिनरल्स होते हैं, जो शरीर को एनर्जी और गर्माहट देने का काम करते हैं। गुड़ में विटामिन ए, सी और ई भी होते हैं। असल में गुड़ में मौजूद शुगर, सुक्रोज और फ्रक्टोज के रूप में होती है, इसलिए इसका स्वाद मीठा और तुरंत एनर्जी देने वाला होता है। यही कारण है कि गुड़ खाने से मानसिक और शारीरिक स्ट्रेस भी कम होता है। गुड़ में मिठास ही नहीं जिंक, सेलेनियम और एंटीऑक्सिडेंट्स भी होते हैं। ये ना सिर्फ हमारे शरीर को इंफेक्शन से बचाते हैं बल्कि इम्यूनिटी भी बढ़ाते हैं। तिल और मूंगफली के लड्डू, गजक, बर्फी, तिलपट्टी, तिलकुट या चिक्की बनाने के लिए गुड़ का ही इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में सर्दियों के मौसम में इन चीजों को खाना इम्यूनिटी, मूड और अपनेपन का मिठास भरा बूस्टर डोज बन जाता है।

ट्रेडिशनल टेस्ट का कमाल

बच्चो, तिल, मूंगफली और गुड़ जैसी चीजों की न्यूट्रिशनल वैल्यू को हमारे बड़े-बुजुर्ग हमेशा से समझते आए हैं। सर्दियों में आने वाले त्योहार, जैसे मकर संक्रांति और लोहड़ी पर तो खासतौर पर इन चीजों को खाया जाता है। सर्दियों में हमारे घरों में इन चीजों से पारंपरिक और पौष्टिक मिठाई बनाने का ट्रेंड रहा है। आज भी विंटर सीजन में दादी-नानी तिल के लड्डू बनाकर भी अपना प्यार जताती हैं। बच्चो, समझना जरूरी है कि तिल, मूंगफली से बनी मिठाई,

स्नैक्स का बहुत हेल्दी ऑप्शन हैं। अगर सही पोर्शन में खाया जाए तो शरीर को इनसे कोई नुकसान नहीं होता। हमारा ट्रेडिशनल खान-पान शरीर, मन और मौसम के मुताबिक बने हुए हैं। बीमारियों से बचाने और इम्यूनिटी मजबूत करने वाले देसी नुस्खों में दादी, नानी और मम्मी का स्नेह भी भरा होता है। इसीलिए सर्दियों में इन सुपर फूड्स को खूब मन से खाओ। अच्छी सेहत बनाओ। इस कमाल के ट्रेडिशनल टेस्ट के लिए दादी-नानी का मन से आभार भी जताओ। *

कैसे हुई पतंग की शुरुआत

हमारे देश में कुछ खास पर्व और अवसरों पर पतंग उड़ाने की परंपरा है। बच्चे तो पतंगबाजी को खूब एंज्वॉय करते हैं। पतंग के आविष्कार और देश-विदेश में इसके प्रचलन का किस्सा बड़ा रोचक है। जानो, पतंग और पतंगबाजी से जुड़ी कुछ रोचक बातें।

जानकारी

शिवानी छाया

बच्चो, मकर संक्रांति के दिन पतंग उड़ाने की परंपरा है। इस पर्व के अलावा हमारे देश में वसंत पंचमी, स्वतंत्रता दिवस पर भी पतंगें उड़ाई जाती हैं। गुजरात, राजस्थान, पंजाब और तेलंगाना जैसे कई राज्यों में तो पतंगोत्सव यानी काइट फेस्टिवल का आयोजन किया जाता है, जिसमें देश-विदेश से आए लोग भाग लेते हैं। पतंगबाजी में बच्चे-बड़े सभी भाग लेते हैं, खूब एंज्वॉय करते हैं। बच्चो, तुम यह जानना चाहोगे कि पतंग उड़ाने की शुरुआत कब और कैसे हुई, जानो-

चीन में हुई थी शुरुआतः माना जाता है कि पतंग बनाने और उड़ाने की शुरुआत लगभग 2800 वर्ष पहले चीन के शानदोंग शहर में हुई थी। इस शुरुआत के पीछे एक रोचक किस्सा है- खेत में काम करने के दौरान एक चीनी किसान की टोपी बार-बार हवा में उड़कर इधर-उधर चली जाती थी। इससे परेशान होकर वह अपनी टोपी एक डोरी से बांधकर रखने लगा। इससे उसकी टोपी हवा में उड़ती तो थी लेकिन इधर-उधर नहीं जाती थी। बस यहीं से पतंग बनाने का आइडिया ने जन्म लिया। विभिन्न स्रोतों के अनुसार दुनिया की शुरुआती पतंगें चीन के हुआंग थेंग, मोजी और लुबान ने बनाई थीं। ये पतंगें कागज की नहीं, लकड़ी और रेशम से बनी होती थीं, जिसे 'वुडन बर्ड' यानी 'लकड़ी की चिड़िया' कहा जाता था। बाद में रेशम के कपड़े, बांस आदि की सहायता से पतंगें बनाई जाने लगीं। चीन में पतंग के आविष्कार की एक वजह यह भी थी कि उस दौर में पतंग बनाने का उपयुक्त सामान, जैसे- रेशम का कपड़ा, पतंग उड़ाने के लिए मजबूत रेशम का धागा और पतंग के शेप को सहारा देने के लिए हल्का और मजबूत बांस चीन में आसानी से उपलब्ध था।

चीन में बनी शुरुआती दौर की पतंग

मनोरंजन नहीं था उद्देश्यः आज हम पतंगबाजी को एक खेल के रूप में देखते हैं, इसे मनोरंजन के लिए उड़ाते हैं। लेकिन शुरुआत में पतंग उड़ाना मनोरंजन नहीं था। पतंग का प्रयोग संदेश भेजने, हवा की गति और दिशा का पता लगाने, जासूसी जैसे उद्देश्यों के लिए किया जाता था। धीरे-धीरे उच्च और सामान्य वर्ग के लोगों की रुचि इसमे बढ़ती गई और पतंगबाजी शौक और मनोरंजन का साधन बन गई।

भारत में पतंग का प्रसारः पतंग बनाने की कला और इसे उड़ाने का शौक चीन, जापान, कोरिया, थाइलैंड जैसे देशों से होकर भारत पहुंचा। इसमें विदेशी यात्री, व्यापारी और बौद्ध भिक्षुओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। देखते ही देखते पतंगबाजी भारत में काफी लोकप्रिय हो गई, यहां के पर्व-उत्सवों एवं संस्कृति का हिस्सा बन गई। आज बच्चे-बड़े सभी खुले आसमान में पतंग उड़ाते हैं, पतंग से जुड़े फेस्टिवल्स एंज्वॉय करते हैं। *

पौराणिक ग्रंथों और इतिहास में पतंग

बच्चो, मकर संक्रांति के अवसर पर पतंग उड़ाने को लेकर एक पौराणिक मान्यता भी है। तमिल ग्रंथ 'तंदनान रामायण' के अनुसार मकर संक्रांति के दिन पहली बार भगवान श्रीराम ने पतंग उड़ाई थी, जो इंद्रलोक तक चली गई थी। तभी से मकर संक्रांति के अवसर पर पतंग उड़ाने की परंपरा चली आ रही है। आधुनिक भारत के इतिहास की बात करें तो 1928 में साइमन कमीशन के विरोध में 'साइमन गो बैक' लिखे काली पतंगें उड़ाकर विरोध प्रदर्शन किया गया था। देश की आजादी के बाद उसी घटना की याद में स्वतंत्रता दिवस पर पतंग उड़ाने की परंपरा शुरू हुई।

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

गोलू-दादू की दोस्ती

बच्चो, तुमको अपने दादाजी-नानाजी से बात करने, उनके संग खेलने में भी फ्रेंड वाली फीलिंग आती होगी। हाल में छपकर आई किताब 'गोलू मेरा दोस्त' में तुम एक प्यारे बच्चे गोलू और उसके दादू की दोस्ती से जुड़ी मजेदार कहानियां पढ़ सकते हो। इन नौ कहानियों में तुमको गोलू का नटखट स्वभाव, भोलापन और समझदारी देखने को मिलेगी। किसी कहानी में तुम पढ़ोगे कि गोलू के दादू, उसे बड़े प्यार से जीवन से जुड़ी उपयोगी सीख भी दे देते हैं। संग्रह की पहली कहानी 'गोलू मेरा दोस्त' में तुम पढ़ोगे कि गोलू कैसे दादू को गांव से अपने पास बुलाकर प्यारा सा सरप्राइज देता है! 'गोलू मेरा नाम' कहानी में जब तुम पढ़ोगे कि गोलू कैसे अपना नाम अभिनव के बजाय गोलू पुकारे जाने पर मुंह फुला लेता है और फिर दादू उसे उसकी गलती कुछ ऐसे समझाते हैं कि तुम हंसे बिना नहीं रहोगे। कामचोर का मतलब क्या होता है, इसका अर्थ समझने के लिए तुमको 'गोलू मस्त मोलू' कहानी पढ़नी होगी। किताब की अन्य कहानियां भी तुमको जरूर पसंद आएंगी। *

किताबः गोलू मेरा दोस्त (बाल कहानी संग्रह), **लेखकः** गोविंद शर्मा
मूल्यः 150 रुपए, **प्रकाशकः** पंचशील प्रकाशन, जयपुर

हंसगुल्ले

चिक्की : मिक्की, कल रात को सपने में मेरे पैर में कांटा चुभ गया था।
मिक्की : तुम चप्पल पहन कर सोया करो तब कांटा नहीं चुभेगा।
-खुशी, रायपुर

मिंकी (अपनी मम्मी से) : मम्मी, क्या जुबान के भी पैर होते हैं?

मम्मी : नहीं तो! क्यों?
मिंकी : तो फिर रिंकी मुझसे क्यों कहती रहती है कि तेरी जुबान बहुत चलती है?
-काम्या, भोपाल

चिंटू : बताओ, समांतर रेखाएं एक-दूसरे को क्यों नहीं काटती हैं?
मिंटू : क्योंकि उनके दांत नहीं होते।
-सुरेंद्र, रोहतक

जीके क्विज-187

1. वूमेंस टी-20 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली खिलाड़ी कौन बनी हैं?
2. भारत किस देश को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है?
3. हाल में दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय महिला का क्या नाम है?
4. महात्मा बुद्ध ने अपना पहला उपदेश किस स्थान पर दिया था?
5. भारत के अंतिम गवर्नर जनरल कौन थे?
6. कोणार्क का सूर्य मंदिर किस राज्य में स्थित है?
7. गाजर में कौन-सा विटामिन प्रचुर मात्रा में पाया जाता है?
8. भारत में पहली रेल किन दो स्थानों के बीच चली थी?
9. इलेक्ट्रिक आयरन को गर्म करने के लिए किस धातु का प्रयोग किया जाता है?
10. भरतनाट्यम किस राज्य की नृत्य शैली है?

बच्चों, जीके क्विज-187 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-186 का उत्तर : 1.स्मृति मंधाना, 2. 366 दिन, 3. 10 जनवरी, 4.मिजोरम, 5.मंगोलिया, 6.हाइड्रोजन, 7.माइटोकॉण्ड्रिया, 8.न्यूमिस्मेटिक्स, 9.गंगा डॉल्फिन, 10.विनय कुमार सक्सेना

जीके क्विज-186 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, आपु-रायगढ़, ऊर्जस्वी-सारंगढ़ बिलाईगढ़, ज्योति-रायगढ़, गुंजा-रायपुर, रक्षित-बिलासपुर, अनन्या-दुर्ग, केशव-बिलासपुर, नमन-रोहतक, हर्ष-भोपाल, शिवांश-महासमुंद

कहानी

सरस्वती रमेश

राजू को तो यही पता था, मकर संक्रांति के दिन पतंग उड़ाकर त्योहार की खुशियां मनाई जाती हैं, लेकिन दादी ने बताया इस दिन दान दिया जाता है, जिसका एक अलग महत्व होता है। राजू को यह बात वास्तव में कितनी समझ में आई, क्या उसने मकर संक्रांति के दिन कोई दान किया?

मकर संक्रांति का दान

राजू के घर आज सुबह-सुबह पूरे परिवार ने स्नान किया। फिर सबने मकर संक्रांति की पूजा की। तिल के लड्डू खाए। खाने में राजू की मम्मी ने आज स्वादिष्ट खिचड़ी बनाई थी। दोपहर में सभी लोगों ने छत पर गुनगुनी धूप में बैठकर खिचड़ी खाई। मम्मी-पापा, दादा-दादी राजू और छोटी बहन पीहू ने खिचड़ी खाई। दादी ने राजू और पीहू से पूछा, 'जानते हो बच्चो, मकर संक्रांति के दिन क्या करते हैं?'

'हां.. हां.. जानता हूं। आज के दिन मजे से पतंग उड़ाते हैं।' राजू तपाक से बोला। 'हां पतंग तो उड़ाते हैं, लेकिन इस दिन को बहुत शुभ माना जाता है। गरीब लोगों को दान भी करते हैं। आज के दिन दान करने से उसका पुण्य कई गुना बढ़ जाता है।' दादी ने बताया।

'दान क्या होता है दादी?' पीहू ने भोलेपन से पूछा।

'दान मतलब किसी गरीब को कुछ देना। कोई खाने की चीज या वस्त्र आदि।' दादी बोलीं।

'फिर तो भैया आप मुझे अपनी बड़ी वाली पतंग दान कर दो न प्लीज।' पीहू ने मचलते हुए कहा तो सब हंस पड़े।

कुछ देर बाद राजू अपने पापा और बहन के साथ घर के पास ही ग्राउंड में पतंग उड़ाने गया। आसमान में रंग-बिरंगी पतंगें उड़ रही थीं। बच्चे, बड़े सब पतंगें उड़ा रहे थे। तभी वहां एक बच्चा दिखाई दिया। वह पेड़ के पीछे खड़ा होकर सबको पतंगें उड़ाता हुआ देख रहा था। ठंड काफी थी, लेकिन उस बच्चे ने सिर्फ एक हाफ शर्ट और नेकर पहन रखी थी। राजू के पापा की नजर उस पर पड़ी तो उन्होंने पूछा, 'अरे! तुम यहां क्यों छिपे हुए हो?' 'सबको पतंगें उड़ता देख रहा हूं।' वह बच्चा बोला।

'तुम्हारी पतंग कहां है?' राजू ने उससे पूछा।

'मेरे पास नहीं है।' बच्चा उदास स्वर में बोला।

'और इतनी ठंड में तुमने स्वेटर क्यों नहीं पहन रखा है? तुम्हें ठंड नहीं लग रही क्या?' पापा को अचरज हो रहा था।

'लग रही है। स्वेटर गंदा हो गया था तो मां ने धोकर सूखने के लिए डाल रखा है।' बच्चे ने सकुचाते हुए बताया।

'तो दूसरा पहन लेते।' पास खड़ी पीहू बोली।

'दूसरा नहीं है।' लड़का धीमी आवाज में बोला।

'अच्छा तुम्हारा नाम क्या है?' पापा ने पूछा।

'मोनू।' लड़के ने बताया।

'तुम रहते कहां हो?' पापा ने जानना चाहा।

'वो सामने बस्ती में।' बच्चे ने अंगुली के इशारे से बताया।

'क्या तुम मेरे बेटे का पुराना स्वेटर लेलोगे।' पापा ने पूछा।

'मां से पूछकर बताऊंगा।' इतना कहकर वह जाने लगा तो राजू ने उसे रोक लिया।

'यह लो मेरी पतंग और मांझा, ठीक से उड़ाना।' राजू ने अपनी पतंग-मांझा उसके हाथों में पकड़ा दिया।

पतंग पाकर बच्चा खुश हो गया और दौड़ते हुए घर की ओर चला गया। राजू पापा के साथ घर लौट आया। पापा ने घर में बच्चे की बात सभी को बताई। यह भी बताया कि राजू ने उसे अपनी पतंग दे दी।

'लेकिन शाम को तो सर्दी और बढ़ जाएगी। हमें उसे गर्म कपड़े भी देने चाहिए।' मम्मी ने सुझाव दिया।

'यदि उसने पुराने कपड़े न लिए तो?' पापा बोले।

'हम उसके लिए नए कपड़े देंगे।' राजू ने कहा।

'लेकिन इतनी जल्दी नए कपड़े आएंगे कहां से?' मम्मी बोलीं।

'आपने जो मेरे लिए नया स्वेटर खरीदा है, वही उसे दे दीजिए।' राजू तुरंत बोला।

'लेकिन वो तो तुम्हारे लिए है और महंगा भी बहुत है।' दादी बोलीं।

'दादी, सुबह आपने कहा था न कि आज गरीब को दान करना चाहिए। वह गरीब बच्चा है। उसे स्वेटर देंगे आज।' राजू ने दादी को सुबह वाली बात याद दिलाई। 'जरूर बेटा, तुमने तो संक्रांति की परंपरा को ठीक से समझ लिया है। ले आओ, अपना नया वाला स्वेटर। चलो अभी चलते हैं मोनू के घर।' पापा बोले।

राजू भाग कर अपने कमरे से स्वेटर ले आया और खुशी-खुशी पापा के साथ मोनू के घर की ओर चल पड़ा। घर में दादी, मम्मी और पीहू भी यह देखकर बहुत प्रभावित और खुश थे कि दयालु राजू के कारण एक गरीब का भला होगा। *

कविता

अखिलेश श्रीवास्तव चमन

एक पर्व के इतने नाम!

छोटे से मिस्टर अयान
सोच-सोच कर हैं हैरान
तिथि एक है, पर्व एक है
लेकिन इसके इतने नाम!
दक्षिण भारत में है पोंगल
उत्तर में कहलाता खिचड़ी
असम राज्य में बिहू कहते
पंजाबी कहते हैं लोहड़ी।
मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा
में होता है मकर संक्रांति
पर पश्चिम बंगाल के अंदर
कहलाता है पौष संक्रांति।
इस दिन सूरज दिशा बदल
उत्तरी गोलार्ध में आ जाता है
रातें छोटी होने लगतीं
दिन लंबाई पा जाता है।
भुनी मूंगफली, गुड़ की पट्टी
तिल की गजक, रेवड़ी खाकर
पूरा देश मनाया करता
है यह पर्व, पतंग उड़ाकर।

रंग भरो-193

रंग भरो-193 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

रुजुला, रोहतक

आशना, जांजगीर

पयोनिधि, अंबिकापुर

आन्या, दुर्ग

लालिमा, गरियाबंद

रेयांश, बिलासपुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

देव्यांश-दुर्ग, दिशांत-महेंद्रगढ़, लोकेश-जबलपुर, नीरज-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, सुमन-जांजगीर, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, सौम्या-करनाल, रोहन-बिलासपुर, दिव्या-कोरबा, साकेत-बालोद

रंग भरो 194

बच्चो, यहां पतंग उड़ा रहे एक बच्चे का ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो: संपादक-फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

खबर संक्षेप

मंडी अटेली। स्वास्थ्य मंत्री आरती राव से भेंट करते हुए एडवोकेट बबली यादव व अन्य। फोटो : हरिभूमि

बबली यादव ने स्वास्थ्य मंत्री से की शिष्टाचार भेंट

मंडी अटेली। ग्रीवेंस कमेटी की मेंबर एडवोकेट बबली यादव ने स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव से उनके चंडीगढ़ स्थित निवास पर शिष्टाचार भेंट की। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि नया वर्ष नई ऊर्जा, नए संकल्प और नए अवसरों का प्रतीक होता है। जो हमें समाज और राज्य की सेवा के प्रति और अधिक दृढ़ संकल्पित करता है।

रेलवे कॉलोनी से 17 वर्षीय किशोर लापता

नारनौल। शहर थाना क्षेत्र की रेलवे कॉलोनी से एक 17 वर्षीय किशोर के लापता हो गया। किशोर के पिता ने सिटी थाना में शिकायत देकर बेटे की तलाश की गुहार लगाई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रेलवे कॉलोनी में रहने वाले सुमेर सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका बेटा तनुज मेहरा 12वीं कक्षा में पढ़ता है। मंगलवार शाम करीब साढ़े पांच बजे घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। परिजनों ने आसपास व रिश्तेदारों के यहां तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लग सका। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है।

12 व 13 को अखंड रामायण पाठ व भंडारा

मंडी अटेली। नावदी रामपुरा निर्मला प्राचीन मंदिर में अखंड रामायण पाठ 12 जनवरी एवं 13 जनवरी को हवन यज्ञ के साथ भंडारा आयोजन किया जाएगा। इस अखंड रामायण पाठ में महंत मुरली दास महाराज, महंत आत्मा दास महाराज, महंत बालक दास महाराज विशेष अनुकंपा रहेगी, जिसमें भगवत दयाल शास्त्री व उनकी टीम रामायण पाठ का गुणगान करेंगी।

नारनौल। सेंटर पर बच्चों के साथ मौजूद प्रियंका यादव। फोटो : हरिभूमि

ड्रॉप आउट बच्चों का हो रहा सर्वे

नारनौल। एजुकेशनल वॉलिंटियर्स प्रियंका यादव ने बताया कि हम बच्चों के घर-घर जाकर, अप्रवासी मजदूरों के बच्चों, ईंट-भट्टों एवं गाड़िया लुहार जहां रहते हैं, जैसे इंद्रा कॉलोनी व जल महल आदि में संपर्क किया। महेंद्रगढ़ जिले में ड्रॉप आउट या आउट ऑफ स्कूल वाले 6 वर्ष से 14 वर्ष तथा 16 से 19 वर्ष तक के बच्चों को स्कूल पहुंचाना तथा शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ना सबसे महत्वपूर्ण दायित्व है।

विकसित भारत निर्माण में मील का पत्थर साबित होगा जी राम जी कानून: मंत्री राव नरबीर

- इस कानून से मजदूरों को 125 दिन का रोजगार व हर सप्ताह मिलेगी मजदूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

विकसित भारत जी राम जी कानून विकसित भारत के निर्माण में मील का पत्थर साबित होगा। यह बात हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री तथा वन एवं पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह ने वीरवार को भाजपा कार्यालय में विकसित भारत रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन वीबी जी राम जी को बेहतर बताते हुए आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कही। मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि इस कानून से मजदूरों को 125 दिन का रोजगार मिलेगा और हर सप्ताह मजदूरी मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योजना को और बेहतर बनाने के लिए यह कार्य किया है, जो विपक्ष को रास नहीं आ रहा है। विपक्ष राम और भारत तथा नीति का विरोध कर रहे हैं, जबकि देश को वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए हर व्यक्ति संकल्पित है। वीबी जी राम जी अधिक लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए परिवर्तित की गई है। इससे भ्रष्टाचार खत्म होगा। उन्होंने कहा कि योजना को और अधिक पारदर्शी बनाया गया है। इससे समय पर वेतन मिलेगा, कानूनी जिम्मेदारी लागू होगी और जवाबदेही सुनिश्चित होगी। योजना में यह परिवर्तन देश के किसानों और ग्रामीणों को सुदृढ़ करेगा।

नारनौल। प्रेस वार्ता में संबोधित करते उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह। फोटो : हरिभूमि

गरीब को रोजगार मिले व गरिमा का सम्मान हो

उन्होंने कहा कि हर गरीब को रोजगार मिले और उसकी गरिमा का सम्मान हो। गरीब, जनजाति और पिछड़ा को रोजगार मिले, उसके लिए यह कानून आया है। विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप ग्रामीण विकास का नया ढांचा तैयार करना है। यह पूरा बिल महात्मा गांधी जी की भावना के अनुरूप है और राम राज्य की स्थापना के लिए लाया जा रहा है। राव नरबीर सिंह ने कहा कि कांग्रेस कितनी भी साजिश रच ले, देश 2047 तक श्विकसित भारत बन कर रहेगा। नई योजना में काम के दिन ज्यादा होंगे, तो साथ ही मजदूरों को पारिश्रमिक भी जल्दी मिलेगा। उन्होंने कहा कि मनरेगा पर सबसे अधिक खर्च मोदी सरकार ने किया है। मनरेगा पर अब तक 11.74 लाख करोड़ रुपये खर्च हुए, जिसमें मोदी सरकार ने 8.53 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं। रोजगार योजना का नाम पहले से महात्मा गांधी के नाम पर नहीं था। कांग्रेस की सरकार ने जब जवाहर रोजगार योजना का नाम बदला था, तो क्या यह पंडित जवाहरलाल नेहरू का अपमान नहीं था। इसी तरह आवास योजना का नाम पहले ग्रामीण आवास योजना था, 1985 में इसका नाम बदल कर इंदिरा आवास योजना कर दिया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार में मनरेगा में कोई ट्रांसपेरेंसी नहीं थी, अब इसमें रियल टाइम डेटा अपलोड होगा। जीपीएस व मोबाइल मॉनिटरिंग होगी और एआई के द्वारा फ्रॉड डिटेक्शन होगा। इससे सही लाभार्थियों को काम मिलेगा और उनके जीवन स्तर में सुधार आएगा। नए कानून के तहत फोकस चार प्राथमिकताओं जल संबंधी कार्य, कोर ग्रामीण बुनियादी ढांचा का निर्माण, आजीविका संबंधी बुनियादी ढांचा का निर्माण और खराब मौसम के कारण काम में कमी को कम करना है। इस योजना से जल सुरक्षा से खेती को बढ़ावा मिलेगा। सड़कें और कनेक्टिविटी से बाजार में सुधार होगा, भंडारण और आजीविका संपत्तियां ग्रामीण आय में वृद्धि लाएगी तथा जलवायु अनुकूल कार्य गांवों को सशक्त बनाएंगे।

रोजगार की नई गारंटी प्रदान करेगा नया कानून

मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में पुरानी योजना में बदलाव किया गया है, जिससे बायोमेट्रिक उपस्थिति, जियो टैगिंग, सैटेलाइट इमेजरी, रियल टाइम मोबाइल ऐप मॉनिटरिंग और डीबीटी के माध्यम से सीधा भुगतान होगा। उन्होंने विकसित भारत जी राम जी कानून 2025 कानून को ग्रामीण विकास का आधार स्तंभ बताते हुए कहा कि नया कानून देशभर सहित हरियाणा प्रदेश में ग्रामीण विकास को सशक्त करेगा और रोजगार की नई गारंटी प्रदान करेगा। मौके पर महेंद्रगढ़ विधायक कंवर सिंह यादव, पूर्व सिंचाई मंत्री डॉ. अभय सिंह यादव, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष दयाराम यादव, पूर्व जिला अध्यक्ष एडवोकेट राकेश शर्मा, कार्यक्रम संयोजक नरेंद्र झिमरिया, जिला महामंत्री योगेश शास्त्री, किशनलाल बौहरा, जिला मंत्री मनीष संघी, संजय अमन, मंडल अध्यक्ष हेमंत चौबे आदि मौजूद थे।

शॉर्टेज की रकम का जेई पर भार विरोध में उतरी जेई एसोसिएशन

विरोध के तौर पर किया प्रदर्शन, एसई को सौंपा मांग पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा स्टेट इलेक्ट्रीसिटी बोर्ड डिप्लोमा इंजीनियर एसोसिएशन के तत्वावधान में जिलेभर के कनिष्ठ अभियंताओं (जेई) ने सिंघाना रोड स्थित एसई कार्यालय (सर्कल) में शॉर्टेज के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया गया। प्रदर्शन की अध्यक्षता प्रधान सत्यपाल ने की। इस मौके पर जेई ने अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी की तथा बिजली निगम अधिकारियों के कान खोलने का प्रयास किया। इस मौके पर प्रधान सत्यपाल ने बताया कि जेई के खातों में लाखों रुपये शॉर्टेज की आड़ में डाले हुए हैं। यह राशि लंबे समय से बकाया चली आ रही है। कई जेई तो रिटायरमेंट तक पहुंच जाते हैं, लेकिन उनकी शॉर्टेज खत्म होती और जब वह रिटायरमेंट होने को होते हैं, उनकी रिटायरमेंट के पैसों में से ये शॉर्टेज की राशि काट ली जाती है। इससे जेई एवं उसके परिवार को बड़ी परेशानी होती है तथा मायूसी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि यह शॉर्टेज ट्रांसफार्मरों का तेल कम होने या उनके नट बोल्ट आदि खोने की सूरत में वसूली जाती है, जबकि ट्रांसफार्मर जेई अपने घर या खुद के फायदे के लिए नहीं चलाते, सारी जनता एवं सरकार का इसमें फायदा होता है। यदि बिजली पूरी मिलेगी और फॉल्ट आएंगे तो ट्रांसफार्मर का तेल भी जलेगा और वह कम भी होगा, लेकिन उसे जेई पर थौप दिया जाता है। इसकी आर्थिक मार जेई भुगतते आ रहे हैं, जबकि इसके अन्य कई कारण हैं। इस मौके पर उपप्रधान संदीप, जितेंद्र कुमार, सुशील कुमार, हिम्मत सिंह, राजेंद्र सोनी, वेदप्रकाश, दलीप सिंह आदि मौजूद रहे।

नारनौल। सिंघाना रोड सर्कल ऑफिस में प्रदर्शन करते निगम के जेई तथा एसई जोगेंद्र सिंह हुड्डा को ज्ञापन सौंपते जेई। फोटो :हरिभूमि

बकाया वसूली के लिए संबंधित जेई को नोटिस जारी

उन्होंने बताया कि पिछली बार की मीटिंग में शॉर्टेज का 50 प्रतिशत की छूट दी गई, लेकिन वह बकाया 50 प्रतिशत आज भी जेई के खाते में खड़ा है तथा निगम द्वारा इस बकाया वसूली के लिए संबंधित जेई को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जेई के खातों से जले हुए ट्रांसफार्मर की रिकवरी के नोटिस सात दिन में जमा करने पर भी जारी कर रहा है। उन्होंने बताया कि कई बार ट्रांसफार्मर रिकवरी में कई बार समय लग जाता है। कई बार तीन से चार दिन की छुट्टियां आ जाती हैं और सप्ताह गुजर जाता है। कई बार अन्य कारण भी आड़े आ जाते हैं। इसलिए एक सप्ताह में रिकवरी का नोटिस जारी नहीं किया जाना चाहिए और न ही ट्रांसफार्मर का खर्चा जेई के खाते में डालना चाहिए। इस मुद्दे को लेकर जेई पहले भी लगभग डेढ़ महीने तक निरंतर हड़ताल कर चुके हैं, लेकिन अंतिम निर्णय नहीं हो सका है तथा बकाया यानि शॉर्टेज अब भी अकाउंट में खड़ा हुआ है। प्रदर्शन उपरांत एसोसिएशन के पदाधिकारी एसई कार्यालय गए तथा वहां पर एसई जोगेंद्र सिंह हुड्डा को ज्ञापन सौंपा। हुड्डा ने उनकी बातों को इत्मिनान से सुना तथा समाधान का आश्वासन दिया।

महेंद्रगढ़। विभाग के अधिकारियों एवं सरपंच प्रतिनिधि के साथ अवलोकन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

डालनवास में 2 करोड़ की लागत भूजल रीचार्ज और सिंचाई प्रोजेक्ट तैयार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

गांव डालनवास में दो करोड़ की लागत से भूजल रीचार्ज एवं सिंचाई प्रोजेक्ट का कार्य पूरा हो गया है। इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए विकास एवं निगरानी समिति सदस्य संदीप मालड़ा ने बताया कि फ्लड एजेंडा के तहत गांव डालनवास में भूजल रीचार्ज एवं सिंचाई प्रोजेक्ट का कार्य पूरा हो गया है। इसके तहत गांव की पंचायती भूमि पर 500 बाई 300 फिट का एक पक्का टैंक बनाया गया है। साथ हीं 300 बाई 200 फिट का एक कच्चा जोहड़ भी खोदा गया है। इन दोनों को आपस में पाइप लाइन के माध्यम से जोड़ा गया है, जिससे समुचित पानी मिल सके। इन दोनों को माधोगढ़ डिस्ट्रीब्यूट्री से पाइप लाइन के माध्यम से जोड़ा गया है। संदीप मालड़ा ने बताया कि पक्के टैंक के पानी का प्रयोग पंचायती भूमि में लगे पेड़-पौधों में काम आएगा तथा कच्चे जोहड़ में पानी भरने से भूजल रीचार्ज में लाभ होगा। पक्के टैंक एवं कच्चे जोहड़ के चारों तरफ टाइल लगाकर 12 फिट चौड़ा पक्का ट्रैक बनाया गया है तथा इस ट्रैक के चारों तरफ लाइट की भी व्यवस्था की गई है। कोई पशु इनमें ना गिर जाए इसके लिए बाड़ भी लगाई गई है। गांव के सरपंच प्रतिनिधि ओमबीर डालनवास ने बताया कि गांव के लोग सुबह-शाम यहां सैर करने आ सकेंगे।

माधोगढ़ डिस्ट्रीब्यूटरी से जोड़ा

लगभग दो करोड़ की लागत से पूरा हुआ प्रोजेक्ट, 500 मीटर एनपी 3 ग्रेड पाइप लाइन के माध्यम से माधोगढ़ डिस्ट्रीब्यूट्री से जोड़ा गया है, 500 बाई 300 का पक्का टैंक तथा 300 बाई 200 का कच्चा जोहड़ बनाया गया है। इसके अलावा दो रीचार्ज बोरवेल का प्रस्ताव भी मंजूरी के लिए भेजा गया है।

आमजन की समस्याओं का समयबद्ध समाधान प्रशासन की प्राथमिकता

- एसपी पूजा वशिष्ठ ने सुनी पुलिस विभाग से संबंधित शिकायत

महेंद्रगढ़। लोगों की समस्यां सुनते अधिकारी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

अतिरिक्त उपायुक्त तरुण कुमार पावरिया ने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर सहित अन्य कार्य दिवसों में कार्यालय आने वाले प्रत्येक नागरिक की समस्या को संवेदनशीलता के साथ सुनना और समयबद्ध समाधान करना प्रशासन का दायित्व है। इस दौरान एसपी पूजा वशिष्ठ व एसडीएम कनिका गोयल (आईएएस) भी मौजूद रही। एसपी ने इस दौरान पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतें सुनी। अतिरिक्त उपायुक्त तरुण कुमार पावरिया ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नागरिकों की समस्या का समाधान समयबद्ध तरीके से करें। समाधान शिविर में सतनाली से आए राजकुमार ने जमीन की पैमाईश से संबंधी समस्या रखी। इसी प्रकार ईश्वर सिंह ने अपनी पेंशन, सुमित मालड़ा सराय निवासी ने प्रॉपर्टी आईडी सही करवाने, भड़फ निवासी संदीप ने जमीनी रिकॉर्ड दुरुस्त करवाने बारे समस्या रखी। इसके अलावा समाधान शिविर में बस चलवाने, अवैध कब्जे, बिजली कनेक्शन, नालों की सफाई, घरेलू झगड़े इत्यादि से संबंधित कुल 43 समस्याएं सुनीं गई।

सरकार विधवा महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए दे रही ऋण

नारनौल। प्रदेश सरकार की ओर से विधवा महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए तीन लाख रुपये तक की ऋण योजना चलाई जा रही है। इस योजना के तहत महिलाओं को व्यक्तिगत कारोबार स्थापित करने के लिए बैंकों के माध्यम से ऋण उपलब्ध करवाया जाता है। यह जानकारी देते हुए उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने बताया कि हरियाणा महिला विकास निगम की ओर से इस योजना के तहत जिन महिलाओं की वार्षिक आय तीन लाख रुपये या इससे कम है तथा जिनकी आयु 18 से 60 वर्ष है, वह इस स्कीम का लाभ ले सकती हैं। बैंक ऋण के ऊपर लगे ब्याज की प्रतिपूर्ति हरियाणा महिला विकास निगम द्वारा सब्सिडी के रूप में अदा की जाएगी। उन्होंने बताया कि इसकी अधिकतम सीमा 50 हजार रुपये व अवधि तीन वर्ष जो भी पहले होगी। इसमें विभिन्न क्रियाकलापों बुटीक, सिलाई, कढ़ाई, ई रिक्शा, मसाला अचार इकाइयां, खाद्य प्रसंस्करण, कैरी बैग का निर्माण, बेकरी, रेडीमेड गारमेंट्स तथा अन्य किसी भी कार्य, जिसको करने में महिलाएं सक्षम हो उन सभी कार्यों के लिए ऋण दिया जाता है।

एचकेआरएन कर्मियों ने सीएम को भेजा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

दी महेंद्रगढ़ सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड में एचकेआरएन के माध्यम से कार्यरत अनुबंधित कर्मचारियों ने सरकार द्वारा सेवा सुरक्षा अधिनियम 2024 में शामिल करने बारे बैंक महाप्रबंधक को ज्ञापन सौंपा।

कर्मचारियों ने मांग की है कि उन्हें भी हरियाणा सरकार द्वारा संविदा कर्मचारी सेवा सुरक्षा अधिनियम 2024 के अंतर्गत शामिल किया जाए। इसके पश्चात सभी कर्मचारियों ने विधायक कंवर सिंह यादव को भी अपना ज्ञापन सौंपा। साथ ही महेंद्रगढ़ उप-मंडल अधिकारी कनिका गोयल के माध्यम से मुख्यमंत्री को भी ज्ञापन प्रेषित किया गया, जिसमें यह मांग रखी गई कि दी महेंद्रगढ़ सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, महेंद्रगढ़ (सहकारिता विभाग) में कार्यरत सभी अनुबंधित कर्मचारियों को सेवा सुरक्षा अधिनियम 2024 में शामिल किया जाए। कर्मचारियों ने आशा व्यक्त की है कि सरकार उनकी जायज मांग पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेगी और उनके सेवाकाल व भविष्य को सुरक्षित करेगी। इस बैठक की अध्यक्षता विनोद कुमार ने की।

महेंद्रगढ़। एसडीएम को ज्ञापन सौंपते कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस दौरान अजय कुमार, मनीष यादव, भगवान सिंह, शिशु, मनोज, सोनू, संजय कुमार, लीलाराम, हरीश, पूजा यादव, सुमन यादव, उर्मिला, सतीष, अतुल रोहिल्ला, बजरंग लाल, रविकांत, ओमवीर, युधवीर, कैलाश शर्मा, पवन, मनदीप सहित अनेक कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस ने आमजन को नशे के प्रति किया सतर्क

सतनाली मंडी। सतनाली पुलिस ने क्षेत्र के सार्वजनिक स्थानों पर जन जागरूकता अभियान चलाया। एसआई तपेंद्र ने वहां मौजूद आम नागरिकों, युवाओं व वाहन चालकों को संबोधित किया और उन्हें नशे व साइबर अपराधों के प्रति सचेत किया। पुलिस ने आमजन से संवाद स्थापित करते हुए कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के शरीर को खोखला करता है, बल्कि यह हंसते खेलते परिवारों की बर्बादी का कारण भी बनता है, इसलिए युवा वर्ग को नशीले पदार्थों से दूर रहकर स्वस्थ जीवनशैली अपनानी चाहिए और अपने आसपास नशा तस्करों की सूचना तुरंत पुलिस को देनी चाहिए।

परीक्षा उत्तीर्ण करने पर अधिवक्ताओं ने जताई खुशी

कनीना। बार एसोसिएशन के दर्जनभर अधिवक्ताओं ने ऑल इंडिया बार एग्जामिनेशन (एआईबीई) की परीक्षा उत्तीर्ण की है। जिस पर बार एसोसिएशन के सदस्यों ने मिठाई बांटकर खुशी जताई है। बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान ओपी यादव रामबास व कुलदीप यादव ने बताया कि एआईबीईए की राष्ट्रीय परीक्षा 30 नवंबर को आयोजित की गई थी। जिसमें देशभर की विभिन्न बार से जुड़े अधिवक्ताओं ने हिस्सा लिया था। जिसका परिणाम बुधवार देर सायं जारी किया गया। इस परीक्षा में बार एसोसिएशन के अधिवक्ता अमित कुमार कोका, मोहित यादव रसूलपुर, सुनील कुमार गुढ़ा, नाथूराम धनौंदा सहित दर्जनभर सदस्यों ने सफलता प्राप्त की है।

मार्केट कमेटी, कोसली (रेवाड़ी)

नोटिस

नई अनाज मण्डी कोसली की दुकान नं. 48 साईज 6×40 मीटर की मलकीयत कार्यालय मार्केट कमेटी के रि-अलाटमैन्ट नं. 887 दिनांक 18.12.2023 के अनुसार श्रीमती कृष्णा देवी पत्नी श्री सत्यनारायण निवासी रेलवे स्टेशन कोसली के नाम से कार्यालय मार्केट कमेटी कोसली के प्रोपर्टी रिकार्ड में चली आ रही है। अब श्रीमती कृष्णा देवी पत्नी श्री सत्यनारायण का स्वर्गवास दिनांक 11.12.2025 को हो चुका है तथा उनकी मृत्यु उपरान्त उनके वारिस श्री हंसराज पुत्र श्री सत्यनारायण, निवासी दुकान नं. 48, नई अनाज मण्डी कोसली ने तहसील कार्यालय कोसली के प्रलेख नं. 43 दिनांक 12.09.2019 के अन्तर्गत दुकान नं. 48 की मलकीयत अपने नाम तबदील कराने बाबत अपना आवेदन आवश्यक दस्तावेज सहित मार्केट कमेटी कोसली कार्यालय में प्रस्तुत किया है। एतदद्वारा सभी को सूचित किया जाता है कि दुकान नं. 48, नई अनाज मण्डी कोसली का उपरोक्त वारिस के अतिरिक्त यदि कोई वारीसान हैं या उपरोक्त दुकान के लिये अन्य किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति है तो इसका लिखित एतराज सभी साक्ष्य सहित अखबार के नोटिस की प्रकाशित होने की खबर के तीस दिन के अन्दर-अन्दर अधो हस्ताक्षरी के सम्मुख प्रस्तुत करें अन्यथा दुकान नं. 48 साईज 6×40 मीटर नई अनाज मण्डी कोसली की मलकीयत हंसराज पुत्र श्री सत्यनारायण, निवासी दुकान नं. 48, नई अनाज मण्डी कोसली कर दी जायेगी।

सचिव एवं कार्यकारी अधिकारी
मार्केट कमेटी, कोसली

प्रशिक्षण कार्यक्रम में खंड नांगल चौधरी से 110 शिक्षकों ने की सहभागिता

निपुण हरियाणा मिशन के तहत शिक्षकों ने लिया दो दिवसीय प्रशिक्षण

पिछड़े हुए बच्चों के लिए बेहतरीन शिक्षण योजना के बारे में बताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा विद्यालय शिक्षा परियोजना परिषद के तत्वावधान में निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

यह प्रशिक्षण सात व आठ जनवरी को पीएमश्री सीनियर सेकेंडरी स्कूल नांगल चौधरी में आयोजित किया गया। जिसमें खंड नांगल चौधरी से 110 शिक्षकों ने सहभागिता की। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य संरचित छात्र समूहण व रीमेडियल टीचिंग के माध्यम से विद्यार्थियों की बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक दक्षता को सुदृढ़ करना रहा। इस प्रशिक्षण में शिक्षकों को कक्षा पहली से तीसरी तक निर्धारित दक्षताओं में पिछड़े हुए बच्चों के लिए बेहतरीन शिक्षण योजना के बारे में बताया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में खंड संयोजक अजय गोयल ने प्रत्येक व्यवस्थाओं को ध्यान में रखकर प्रशिक्षण के सभी सत्रों का उत्साहपूर्वक व सुचारू रूप से संचालन करवाया। प्रशिक्षण के दौरान सुमित्रा यादव, रीना रानी, ज्योति तथा प्रदीप कुमार की मुख्य भूमिका रही।

शिक्षकों को नवीन शिक्षण विधियों, कक्षा प्रबंधन, मूल्यांकन तकनीकों एवं छात्र केंद्रित शिक्षण रणनीतियों की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम के समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

नारनौल। प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने वाले शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

प्रशिक्षण व्यवस्थाओं की प्रशंसा की

जिला शिक्षा अधिकारी एवं खंड शिक्षा अधिकारी सुनीता यादव की इस पहल की सराहना की तथा भविष्य में भी इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया। डाइट महेन्द्रगढ़ से ऑब्जर्वर दिनेश व जिला संपर्क समन्वयक मनीष शर्मा ने कार्यक्रम के सफल संचालन की प्रशंसा करते हुए कहा कि आप सभी के समर्पित प्रयासों से जिला महेन्द्रगढ़ निपुण हरियाणा मिशन के लक्ष्यों की ओर निरंतर अग्रसर है। अजय गोयल ने सभी की रिसोर्स प्रर्सेन का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि सभी शिक्षकों ने इस दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्य को पूरी लग्न व निष्ठा के साथ ग्रहण किया। इस प्रशिक्षण में अन्य जिलों के शिक्षकों ने भी बतौर प्रशिक्षु भाग लिया। फरीदाबाद जिले में कार्यरत शिक्षक धर्मेंद्र, गजेंद्र व देवेंद्र ने न केवल केआरपीज की, बल्कि खंड नांगल चौधरी में आयोजित इस प्रशिक्षण व्यवस्थाओं की भी प्रशंसा की। सभी शिक्षकों ने खंड शिक्षा अधिकारी सुनीता यादव को विश्वास दिलाया कि प्रशिक्षण में सीखी हुई बातों को कक्षा कक्ष में क्रियान्वयन करते हुए व्यावहारिक रूप प्रदान किया जाएगा।

नारनौल। शिकायतें सुनते एसडीएम अनिरुद्ध यादव। फोटो : हरिभूमि

समाधान शिविर में कुल 51 शिकायतें आई

नारनौल। लघु सचिवालय में वीरवार को आयोजित समाधान शिविर में एसडीएम अनिरुद्ध यादव ने आमजन की शिकायतें सुनी। शिविर में कुल 51 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से अधिकतर का निपटान मौके पर कर दिया गया। एसडीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविर में आने वाली सभी शिकायतों का तत्काल समाधान किया जाए और समाधान प्रकोष्ठ पोर्टल पर रिपोर्ट समय पर अपडेट की जाए। उन्होंने कहा कि सरकार के ऑनलाइन पोर्टल व समाधान शिविरों का उद्देश्य जनता और प्रशासन के बीच सीधे संवाद को मजबूत करना है। शिविर में मुख्य रूप से परिवार पहचान पत्र, प्रॉपर्टी आईडी, बिजली, पानी, पुलिस व सड़क संबंधी शिकायतें प्राप्त हुई।

ग्राम पंचायत लाखनौर

खंड रेवाड़ी, जिला रेवाड़ी, हरियाणा

कंडम पंचायत भवन के सामान को नीलाम करने की सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत लाखनौर में कंडम पंचायत भवन के पुराने कमरे के गार्टर, पत्थर की टुकड़ी, लोहे के दरवाजे, जंगले, कंडम पानी की टंकी पर लोहे की सीढ़ी आदि की खुली बोली दिनांक 12.01.2026 को दोपहर 12 बजे पंचायत घर में की जाएगी। इच्छुक व्यक्ति व फर्म तय समय व तिथि पर पहुंचे। बाकी शर्तें मौके पर बता दी जाएगी।

सरपंच- रचना यादव
ग्राम पंचायत लाखनौर, खंड रेवाड़ी, जिला रेवाड़ी
मोबाइल नंबर- 9416441241, 8708516821

खबर संक्षेप

राजा नाहर सिंह के बलिदान दिवस पर कार्यक्रम आज

रेवाड़ी। जाट समाज जिला संगठन कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक प्रधान सूरत सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई, जिसमें 9 जनवरी को जाट धर्मशाला में राजा नाहर सिंह के 168वें बलिदान दिवस व दीन बंधु सर छोटूराम की 81वीं पुण्यतिथि के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन करने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर उप प्रधान डीपी सिंह, सचिव हंसराज कोच, सह सचिव भरत सिंह नंबरदार, कोषाध्यक्ष अजीत सिंह धनखड़, प्रवक्ता रामकिशन महालवत आदि मौजूद रहे।

महिला सिपाही के पति पर रुपये न देने का आरोप

कोसली । अहमदपुर पड़तल गांव के एक पशु व्यापारी ने जिला पुलिस में कार्यरत एक महिला सिपाही के पति पर पुलिस कर्मी बनकर भैंस खरीद कर ले जाने तथा दो लाख रुपये हड़पने का आरोप लगाते हुए पुलिस महानिदेशक के माध्यम से कोसली थाने में मामला दर्ज कराया है। अहमदपुर पड़तल निवासी धर्मेन्द्र कुमार ने बताया कि वह भैंसों की खरीद बिक्री व दूध बिक्री का काम करता है। मूलरूप से जाडरा गांव निवासी तथा हाल आबाद जिला पुलिस लाईन रेवाड़ी बताते हुए आजाद शर्मा गत वर्ष अक्टूबर माह में उनके घर भैंस खरीदने आए।

भड़गी से किसान की चार भैंस चुरा ले गए चोर

कोसली। भडंगी गांव से पशु चोर वीरवार तड़के एक किसान की चार लाख रुपये मूल्य की चार भैंस चोरी कर ले गए। भडंगी गांव निवासी अभय सिंह ने बताया कि वह बुधवार रात अपनी चारों भैंसों को घर में बांधकर बाहर ताला लगाकर सो गए। सुबह तीन बजे उठ कर देखा तो चारों भैंस गायब थी। उन्होंने तुरंत 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी। शोर सुनकर पडौसी एकत्र हो गए। सभी ने भैंसों की काफी तलाश की। शिकायत कर्ता के अनुसार पिकअप सवार चोरों ने रात को नेहरूगढ़ गांव में भी पशु चोरी का प्रयास किया। गांव वालों ने उनका पीछा किया तो वे गाड़ी लेकर भाग गए। भडंगी गांव में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में उसी नंबर की पिकअप नजर आ रही है।

चोर कुछ दुकानों में सेंध लगाने में कामयाब नहीं हुए

सर्दी के बाद लगातार बढ़ने लगी चोरी की घटनाएं, ठीकरी पहरा लगवाने का राग अलाप रही पुलिस

कुंड चौकी में आराम फरमाती रही पुलिस, एक दर्जन से अधिक दुकानों पर हाथ साफ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सर्दी बढ़ने के साथ ही चोरों ने लोगों की नाक में दम करना शुरू कर दिया है। चोर तसल्ली से वारदातों को अंजाम दे रहे हैं, जिससे पुलिस की रात्रि गश्त पूरी तरह धत्ता साबित हो रही है। खोरी बस स्टैंड पर चोरों ने एक दर्जन से अधिक दुकानों के ताले तोड़कर लाखों रुपये के सामान और नकदी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। तीन दिनों में जिले में चोरी की दूसरी बड़ी वारदात हुई है। तीन नकाबपोश चोर सीसीटीवी फुटेज में चोरी करते हुए नजर आ रहे हैं। पुलिस ने मौका मुआयना करने के बाद जांच शुरू कर दी।

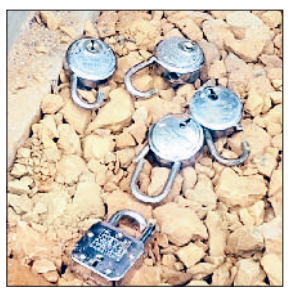

रेवाड़ी। कुंड स्थित दुकानें, जहां वारदात हुई। दुकानों के पास पड़े टूटे हुए ताले।

इन दुकानदारों की दुकानों में हुई चोरी : जिन दुकानदारों की दुकानों व परिसरों को निशाना बनाया गया है, उनमें सतेंद्र यादव, विकास कुमार, रघुवीर सिंह, ईश्वर सिंह, सुशील कुमार, भुवनेश कुमार, मंजीत सिंह, शशी, विजय कुमार, मिलन और मोनू शामिल हैं। इनमें से कुछ दुकानदार ऐसे हैं, जिनकी एक से अधिक दुकानें हैं। चोरी की वारदात से दुकानदारों को नुकसान उठाना पड़ा है, जिससे उनमें पुलिस के प्रति रोष देखने को मिल रहा है।

रेवाड़ी। सीसीटीवी में कैद हुए चोर।

सीसीटीवी फुटेज में तीन चोर नजर आए

बस स्टैंड पर कई दुकानों के बाहर सीसीटीवी कैमरे लगाए हुए हैं। चोरों ने कई कैमरों की वायर तक काट दी। इसके बावजूद कुछ कैमरों में वारदात कैद हो गई। फुटेज में तीन नकाबपोश चोर हाथ में कटर व चोरी का अन्य सामान लेकर मार्केट में प्रवेश करते व चोरी की वारदात को अंजाम देते हुए नजर आ रहे हैं। दुकानदारों ने फुटेज पुलिस को सौंप दी है, जिसके आधार पर पुलिस चोरों की पहचान कराने के प्रयास कर रही है।

दुकानों से लगभग 3 लाख का सामान चोरी कर ले गए

जैसलमेर नेशनल हाइवे के फ्लाईओवर के नीचे खोरी बस स्टैंड पर अच्छी मार्केट बनी हुई है। रात को दुकान बंद करने के बाद दुकानदार अपने घर चले गए। वीरवार सुबह दुकानदारों ने दुकानों पर आना शुरू किया, तो उनके होश उड़ गए। दुकान के ताले टूटे हुए थे। चोरों ने एक के बाद एक दर्जन से अधिक दुकानों को अपना निशाना बनाया। इनमें हार्डवेयर की दुकान, लाइब्रेरी, साइकिल की दुकान, रेडिमेड कपड़ों की दुकान, मेडिकल स्टोर और कई अन्य दुकानें शामिल हैं। एक-दूसरे को सूचना देने के बाद सभी दुकानदार बस स्टैंड पर एकत्रित हो गए। पुलिस को सूचना देने के बाद कुंड पुलिस चौकी से कर्मचारी मौके पर पहुंच गए। दुकानों में रात के समय कैश ज्यादा नहीं होने के कारण चोर नकदी की ज्यादा चोरी नहीं कर पाए, लेकिन दुकानों से लगभग 3 लाख रुपये का सामान चोरी कर ले गए। चोर कुछ दुकानों में चोरी के प्रयास में कामयाब नहीं हुए। दुकानदारों ने आरोप लगाया कि पुलिस गश्त नहीं होने के कारण चोरों ने इतनी दुकानों में एक साथ चोरी की वारदातों को अंजाम दिया है। पुलिस भी मौका मुआयना करने के बाद दुकानदारों को शिकायत दर्ज कराने के लिए चौकी आने का फरमान सुनाकर रवाना हो गई।

तीन जगह के प्रवेश द्वार पास

नप हाउस की आखरी बैठक में 21 से अधिक प्रस्तावों पर मुहर

■ गांव जाटूवास में डेयरी के लिए निर्धारित करीब 10 एकड़ जमीन पर पेयजल वाटर टैंक बनाने के प्रस्ताव को पारित कर जनस्वास्थ्य विभाग को जमीन स्थानांतरण करने का लिया गया निर्णय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

वीरवार को नगर परिषद हाउस के कार्यकाल की अंतिम बैठक आयोजित की गई। आगामी 17 जनवरी को नगर परिषद हाउस का कार्यकाल पूरा होने वाला है। नप हाउस की अंतिम बैठक में आखिरी बजट पेश किया गया, जिसमें वर्ष 2026-27 के लिए 100 करोड़ 57 लाख रुपये की आय व 100 करोड़ 15 लाख रुपये खर्च निर्धारित की गई। इस प्रकार 42 लाख रुपये लाभ का बजट सर्वसम्मति से पारित किया गया। इसके बाद हुई आम बैठक में 21 से अधिक प्रस्ताव पास किए गए, जिनमें 15 से अधिक द्वार के नामकरण व चौराहों पर प्रतिमा लगाने के प्रस्ताव शामिल थे। बैठक में नारनौल रोड पर सुमित्रा देवी बाईजी द्वार बनाने, झज्जर रोड पर विश्वकर्मा द्वार व नया गांव में राव बिरेंद्र सिंह द्वार बनाने का प्रस्ताव पास किया गया। वहीं शहर के मोहल्ला सैयद सराय का नाम भी बदल कर धर्मपुरा करने पर भी हाउस की ओर से मोहर लगाई गई। इस दौरान पार्षदों ने एक-दूसरे के कसीदे भी पढ़े। एक पार्षद ने पिछले दिनों शहर में बनाई गई सड़कों के निर्माण में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए, जिसपर ईओ ने तुरंत सेंपल लेकर जांच के लिए भेजने के आदेश दिए। शहर में नगर परिषद की सभी खाली जमीन पर चारदीवारी या तारबंदी करने का भी निर्णय लिया गया। पार्षदों ने ईओ सुशील भुक्कल से सफाई व्यवस्था, सड़कों पर पशुओं के झुंड व सड़ते सार्वजनिक शौचालयों के सुधार को लेकर भी चर्चा की। बैठक में चेयरपर्सन पूनम यादव ने दावा किया कि जितने काम 25 साल में नहीं हुए उससे ज्यादा 5 साल में कराए गए।

रेवाड़ी। नप हाउस की बैठक में मौजूद पार्षद व अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

जमीन स्थानांतरण करने का निर्णय लिया

हाउस की आखिरी बैठक में सबसे बड़ा फैसला गांव जाटूवास में डेयरी के लिए निर्धारित करीब 10 एकड़ जमीन को पर पेयजल वाटर टैंक बनाने का प्रस्ताव हाउस में रखा गया। इस प्रस्ताव को पारित कर जनस्वास्थ्य विभाग को यह जमीन स्थानांतरण करने का निर्णय लिया गया। शहर की पेयजल आपूर्ति के लिए अतिरिक्त वाटर टैंक बनाने के लिए जमीन चिन्हित करने का मुद्दा लंबे समय से उठाया जा रहा था। हालांकि रामगढ भगवानपुर की ग्राम पंचायत ने भी जमीन मुहैया कराई है,जिस पर विवाद छिड़ा हुआ है।

बैठक में ये रहे मौजूद

बैठक में पार्षद संगीतलता, सुरेश शर्मा, प्रवीण चौधरी, सरिता सैनी, लोकेश यादव, गोपाल कृष्ण, भूपेन्द्र गुप्ता, राजेन्द्र सिंहल, सुरेश कुमार, पूनम सतीजा, मंजू, रेखा, चंदन यादव, गिरीश भारद्वाज, रजंना भारद्वाज, सुचित्रा चांदना, मनीष गुप्ता, निहाल सिंह, विजय राव, राजेन्द्र कुमार, राधा सैनी, नीरज कुमार, बबीता, मोनिका यादव, रमेश कुमार, नरेश कुमार, कुसुमलता, सतेन्द्र यादव, रोहताश सिंह वाल्मीकि व एक्सईएन अंकित वशिष्ठ सहित सभी जेई मौजूद थे।

प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना से विभिन्न क्षेत्रों में नए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

डीसी अभिषेक मीणा

केंद्र सरकार की ओर से रोजगार सृजन को बढ़ावा देने तथा उद्योगों को नई दिशा प्रदान करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसके तहत युवाओं को अधिक अवसर उपलब्ध होंगे और उद्योगों को कार्यबल सुदृढ़ करने में सहायता मिलेगी। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि यह योजना विभिन्न क्षेत्रों में नए रोजगारों को प्रोत्साहित करेगी तथा विनिर्माण सेक्टर पर विशेष ध्यान केंद्रित करेगी। योजना के दो प्रमुख भाग निर्धारित किए गए हैं। प्रथम भाग में पहली बार रोजगार प्राप्त करने वाले कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। डीसी ने बताया कि ईपीएफओ में पहली बार पंजीकृत कर्मचारियों को लक्षित करते हुए, इस भाग में एक महीने का ईपीएफ वेतन, अधिकतम 15000 रुपये दो किस्तों में दिया जाएगा। 1 लाख रुपये तक के वेतन वाले कर्मचारी इसके पात्र होंगे।

विनिर्माण सेक्टर पर विशेष ध्यान दिया जाएगा

दूसरे भाग में नियोक्ताओं को प्रोत्साहन मिलेगा। डीसी ने बताया कि यह भाग सभी सेक्टर में अतिरिक्त रोजगार सृजन को कवर करेगा, जिसमें विनिर्माण सेक्टर पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। नियोक्ताओं को एक लाख रुपये तक के वेतन वाले कर्मचारियों के लिए प्रोत्साहन राशि मिलेगी। सरकार कम से कम छह महीने तक निरंतर रोजगार वाले प्रत्येक अतिरिक्त कर्मचारी के लिए दो वर्षों तक नियोक्ताओं को अधिकतम 3000 रुपये प्रति माह तक का प्रोत्साहन देगी। विनिर्माण सेक्टर के लिए प्रोत्साहन राशि को तीसरे और चौथे वर्ष तक भी बढ़ाया जाएगा।

छात्राओं को नशे से होने वाले दुष्प्रभावों से करवाया अवगत

कोसली। कोसली के डीएवी महिला महाविद्यालय में वीरवार को जागरूकता पर आधारित इंटर कॉलेज पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्राचार्य डा. जयसिंह ने छात्राओं को नशे से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी और छात्राओं को अन्य लोगों को भी नशे को प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। प्रतियोगिता में छात्रा रिंकू ने प्रथम व नेहा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। एनसीसी प्रभारी अंजली ने छात्राओं को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई। नोडल अधिकारी सुनिता कालरा ने छात्राओं की सराहना करते इस प्रकार की प्रतियोगिता में बढ़ चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया।

ग्राम सचिवालय मसानी में शिफ्ट किया आधार केंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला प्रशासन की ओर से नागरिकों के लिए जिले में विभिन्न स्थानों पर आधार केंद्र स्थापित किए हुए हैं, जहां आमजन अपने आधार कार्ड बनवा या अपडेट करा सकते है। उन्होंने बताया कि जिले में मॉडल टाउन स्थित बाल भवन, ग्राम सचिवालय मसानी, आंगनबाड़ी केंद्र कन्हौरी, तहसील कार्यालय कोसली और अंबेडकर चौपाल गुरावड़ा में आधार केंद्र स्थापित किए गए है। सीएससी जिला प्रबंधक जगदीप सिंह ने बताया कि गुरु रविदास होस्टल में संचालित आधार सेंटर को ग्राम सचिवालय मसानी में शिफ्ट किया गया है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा जिले में विभिन्न सीएससी सेंटर पर बैंक बीसी के माध्यम से यूसीएल आधार सेवाओं की सुविधा आमजन की सेवा के लिए उपलब्ध कराई गई है। इन सेवाओं के अंतर्गत मोबाइल नंबर अपडेट, ई-मेल आईडी अपडेट एवं पता अपडेट की सुविधा प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि रामपुरा रोड सीएससी, भगत सिंह चौक, पंछी मार्केट धारूहेड़ा, बास रोड धारूहेड़ा में यूसीएल सेवाएं आमजन के लिए उपलब्ध कराई गई है।

गणतंत्र दिवस की तैयारियों को लेकर बैठक आज

रेवाड़ी। जिले में 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह जिला व उपमंडल स्तर पर धूमधाम व गरिमामयी ढंग से मनाया जाएगा। गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर डीसी अभिषेक मीणा की अध्यक्षता में 9 जनवरी को दोपहर 12 बजे सभी विभागाध्यक्षों की बैठक आयोजित होगी। सीटीएम जितेन्द्र कुमार ने बैठक में सभी विभागाध्यक्षों को उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं।

26 लाख की लागत से स्थापित होगी लेबर कोर्ट

रेवाड़ी। लघु सचिवालय बावल में लेबर कोर्ट स्थापित की जाएगी। इसके लिए हरियाणा सरकार की ओर से करीब 26 लाख रुपये की राशि जारी कर दी गई है। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि बावल में लेबर कोर्ट स्थापित होने से श्रमिकों से जुड़े मामलों की सुनवाई यहीं हो सकेगी। डीसी ने बताया कि बावल के लघु सचिवालय में बनाए जाने वाले लेबर कोर्ट के लिए जल्द ही प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

विधायक आज अनाजमंडी में सुनेंगे समस्याएं

कोसली। विधायक अनिल यादव 9 जनवरी को सुबह 11 बजे कोसली अनाजमंडी स्थित अपने कार्यालय में विधानसभा क्षेत्र की जन समस्याएं सुनेंगे। उनके साथ हलका के प्रमुख पंचायत प्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी मौजूद रहेंगे। विधायक जन समस्याओं का निराकरण करने के लिए मौके पर ही अधिकारियों को निर्देश जारी करेंगे।

सोशल मिडिया प्लेटफॉर्म को सावधानी व सतर्कता के साथ प्रयोग करना जरूरी

■ पुलिस टीम ने रेजांगला पार्क में आमजन को किया साइबर अपराधों को लेकर जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

साइबर क्राइम थाना प्रभारी निरीक्षक फूल कुमार की टीम ने रेजांगला पार्क में आमजन को साइबर अपराधों के बारे में जागरूक किया। जिला पुलिस की टीमें पिछले काफी समय से जिले के अधिकतर स्कूलों-कॉलेजों व गांवों में साइबर जागरूकता अभियान चला चुकी हैं। अभियान के दौरान एएसआई मुकेश व उनकी टीम ने कहा कि आज के समय में साइबर अपराध चरम पर है। आए दिन नए-नए तरीकों से लोगों को ठगा जा रहा है। इन्हें रोकने के लिए जागरूक होने की जरूरत है। सभी को समझना होगा कि साइबर अपराध करने वाले लोग बड़े ही चालाक किस्म के हैं, जिनसे सभी को बचना होगा। जिले में साइबर क्राइम थाना, साइबर सैल और साइबर हेल्प डेस्क गठित है, जो लगातार इस दिशा में काम रही है। सोशल मिडिया प्लेटफॉर्म को सावधानी और सतर्कता के साथ प्रयोग करना जरूरी है। आज जिस तरह से अपराधियों के द्वारा साइबर अपराध को अपराध का एक सशक्त माध्यम बनाकर प्रयोग किया जा रहा है।

रेवाड़ी। लोगों को साइबर अपराध के प्रति जागरूक करती पुलिस टीम।

अखिल ब्राह्मण वृहत सभा की बैठक आयोजित

कोसली। कोसली की अखिल ब्राह्मण वृहत सभा की बैठक वीरवार को जुड्डी रोड स्थित परशुराम भवन में हुई। बैठक में पधारे डाबोधा आश्रम के महाराज सुनीलेश्वर दास का सभा की ओर स्वागत किया गया। सभा के प्रधान गोपीचन्द शर्मा ने भवन में निर्माण कार्यों की रुपरेखा रखी। महाराज सुनीलेश्वर ने सभास्थल पर मंच के निर्माण की आवश्यकता पर बल देते हुए यथा संभव योगदान देने की घोषणा की। इस अवसर पर उप प्रधान सुरेश कुमार शास्त्री, कोषाध्यक्ष नकुल देव शास्त्री, रामोतार मुंडाहेड़ा, रामौतार झाल, राम किशन लडायन, महाबीर पोता दयानन्द मुरलीपुर व रामनिवास शास्त्री मौजूद थे।

भाड़ावास रेलवे फाटक अंडरपास में लाइटें लगवाने की उठी मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

वीरवार को लघु सचिवालय सभागार में आयोजित समाधान शिविर में एडीसी राहुल मोदी ने अधिकारियों के साथ लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने समस्याओं पर सुनवाई करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जिला स्तरीय समाधान शिविर में आई अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही निदान किया गया और शेष पर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। समाधान शिविर में गांव बोलनी में गिरदावर की ओर से पैमाइश की रिपोर्ट न देने, शहर के शास्त्री नगर में जोहड़ की सफाई व पक्का करवने की शिकायत, भाड़ावास रोड पर बने अंडरपास में लाइट लगवाने व झज्जर रोड से बाईपास तक मुख्य सड़क की लाइट खराब होने की शिकायत पर एडीसी ने संबंधित अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए। इसके अलावा समाधान शिविर में नागरिक परिवार पहचान पत्र, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, बिजली, सीवरेज व अवैध कब्जों से संबंधित शिकायतों की सुनवाई की गई। इस अवसर पर एसडीएम सुरेंद्र कुमार, सीटीएम जितेंद्र कुमार व डीएसपी जोगेंद्र शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

स्व. श्याम सुंदर सिंहल की स्मृति में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर 11 को

रेवाड़ी। लायंस क्लब की ओर से समाजसेवी एवं स्व. लायन श्याम सुंदर सिंहल की पुण्य स्मृति में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर 11 जनवरी को लायंस भवन में आयोजित होगा। शिविर में हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ डा. आरबी यादव, हृदय रोग विशेषज्ञ डा. राहुल सिंगला, नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. विभोर गुप्ता, दर्द एवं क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ डा. रिजुल सैनी, स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. कंचन सैनी, चर्म रोग विशेषज्ञ डा. आंचल सक्सेना, नाक कान गला विशेषज्ञ डा. अक्षय सक्सेना व योगाचार्य अनिल कुमार अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे।

देश की बेटियां हर क्षेत्र में आगे बढ़कर राष्ट्र का नाम रोशन कर रही : दहिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रेवाड़ी में आयोजित एनएसएस के सात दिवसीय विशेष शिविर में स्वयंसेविकाओं को नोट मी बट यू का सार्थक संदेश दिया गया। इस मौके पर जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी प्रदीप दहिया ने उत्कृष्ट कार्य करने वाली स्वयंसेविकाओं को प्रोत्साहित किया। शिविर में जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी दिनेश कुमार व कार्यवाहक प्राचार्या डा. ज्योत्स्ना यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। डीईईओ प्रदीप दहिया ने कहा कि बेटियां दो परिवारों को संवारने का सामर्थ्य रखती हैं। आज देश की बेटियां हर क्षेत्र में आगे बढ़कर न केवल अपना बल्कि राष्ट्र का भी नाम रोशन कर रही हैं।

पंचायती रास्ते पर तीन दशक से अवैध कब्जा, लोकायुक्त ने दो माह पहले दिए थे आदेश

एसडीएम के आदेश पर रास्ते की दोबारा पैमाइश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

गांव बिहारीपुर में पंचायती रास्ते पर करीब 3 दशक से गांव के कुछ लोगों ने कब्जा किया हुआ है। रास्ते को खाली कराने के लिए लोकायुक्त की अदालत में मामला चल रहा था। लगभग दो माह पहले रास्ता साफ कराने के आदेश जारी हुए थे। एक कब्जे को प्रशासन ने हटवा दिया था, परंतु दूसरे को हटवाते समय दोबारा पैमाइश की मांग की गई थी। एसडीएम के आदेश पर रास्ते की दोबारा पैमाइश की गई है।

ग्रामीणों के अनुसार लगभग तीन दशक पूर्व यह रास्ता साफ था, जिससे उन्हें आवागमन में कोई परेशानी नहीं होती थी। बाद में रास्ते की जमीन पर गांव के कुछ लोगों ने कब्जा करते हुए मकान बना लिए। डीसी की ओर से इन कब्जों को हटवाने के आदेश वर्ष 2020 में जारी किए गए थे। उसके बाद कब्जे हटाने के लिए जमीन की पैमाइश कराई गई, तो मामला लोकायुक्त की अदालत में पहुंच गया। लोकायुक्त ने रास्ते से अवैध कब्जे हटवाने के आदेश दो माह पहले जारी कर दिए थे। एक मकान को प्रशासन ने तुड़वा दिया। दूसरे मकान का नंबर आया, तो मकान मालिक ने प्रशासन से जमीन की दोबारा पैमाइश कराने की गुहार लगाई थी। उसके बाद एसडीएम कोसली ने रास्ते की जमीन की दोबारा पैमाइश कराने के आदेश जारी किए थे।

रेवाड़ी। बिहारीपुर में पैमाइस करते हुए टीम। फोटो :हरिभूमि

गिरदावर ने करवाई जमीन की पैमाइश

एसडीएम के आदेश पर गिरदावर दिनेश कुमार व गांव के पटवारी ने वीरवार को रास्ते की जमीन की नए सिरे से पैमाइश की। जीपीएस मशीन से ग्रामीणों की मौजूदगी में डिमार्केशन के कार्य को अंजाम दिया गया। गिरदावर ने बताया कि पैमाइश की रिपोर्ट तैयार करने के बाद एसडीएम को सौंपा जाएगा। सरपंच प्रतिनिधि बिरेंद्र ने बताया कि आम रास्ते पर वर्षों से प्रभावशाली लोगों ने कब्जा जमाया हुआ है, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोकायुक्त के फैसले के बाद एक कब्जे को हटवा दिया गया था, परंतु दूसरे को नहीं हटाया गया।